चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, सादाबाद में हवन-यज्ञ से दी गई श्रद्धांजलि!

उत्तर प्रदेश केहथरसजिले केसादाबादमें पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहाचौधरी चरण सिंहकी39वीं पुण्यतिथिअत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के तमाम दिग्गजों और किसानों ने एकत्रित होकर उनके योगदान को याद किया और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

सादाबाद के मथुरा अड्डा स्मारक स्थल परहवन-यज्ञऔर माल्यार्पण के साथ चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। विधायक प्रदीप चौधरी सहित कई नेताओं ने उनके किसान-हितैषी विजन और सादगीपूर्ण जीवन को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं और आयोजन का विवरण नीचे दिया गया है:

>> धार्मिक अनुष्ठान:कार्यक्रम का आगाज वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। ऊंचागांव के आर्य समाज से आएमहिपाल सिंह आर्यऔरराजवीर सिंह आर्यने विधि-विधान से हवन संपन्न कराया।

>> सामूहिक प्रार्थना:राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ताओं और विभिन्न दलों के नेताओं ने पूर्णाहुति डालकर देश की खुशहाली और किसानों की समृद्धि की कामना की।

>> श्रद्धांजलि:उपस्थित नेताओं नेचौधरी चरण सिंह की प्रतिमापर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।

किसान हितों के लिए समर्पित जीवन

कार्यक्रम के दौरान विधायकप्रदीप चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्षकेशवदेव चौधरीऔर जिला पंचायत सदस्यसुआ पहलवानने अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह ने वह काम किया जो उस दौर में असंभव माना जाता था।

>> उन्होंनेग्रामीण अर्थव्यवस्थाको मजबूत करने के लिए ठोस नीतियां बनाईं।

>> संसद मेंकिसान की आवाजको बुलंद किया और खेती-किसानी को प्राथमिकता दिलाई।

>> उनका मानना था कि देश की वास्तविक उन्नति केवलगांवों और खेतोंके विकास से ही संभव है।

वक्ताओं ने बताया कि चौधरी चरण सिंह केवल एक राजनेता नहीं, बल्किईमानदारी और सादगीके प्रतीक थे। प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर रहने के बावजूद वे हमेशा मिट्टी से जुड़े रहे और घंटों किसानों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान खोजते थे।

उपस्थिति और समर्थन:इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (चौधरी चरण सिंह) के राष्ट्रीय अध्यक्षधर्मेंद्र चौधरी, धर्मवीर सिंह चौहान, ईशान चौधरी, ललन शर्मा, राजेश चौधरी और सलीम कुरैशी सहित भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम सादाबाद के मथुरा अड्डा स्थित स्मारक स्थल पर आयोजित किया गया था।

ऊंचागांव के आर्य समाज से आए महिपाल सिंह आर्य एवं राजवीर सिंह आर्य ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन संपन्न कराया।

उनकी विचारधारा का मुख्य केंद्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसानों की आय में वृद्धि, फसलों का उचित मूल्य और गरीब व वंचित वर्ग की आवाज को संसद तक पहुंचाना था।

Reference:Government of India Official Portal